## Padma Shri



# Shri Ashok Bhagat

Shri Ashok Bhagat, an eminent social worker, is the Founder Secretary of Vikas Bharti Bishunpur, a voluntary Social organization of national repute.

2. Born on July 25, 1951, Shri Bhagat started his career as youth activist in Uttar Pradesh in 1972. He initiated youth movements in Allahabad, Lucknow, Gorakhpur and Banaras Hindu Universities for the sake of Nation Building. He rendered his services for the benefit of youth and Rural Reconstruction by joining Akhil Bhartiya Vidyarthy Parisad as State Organising Secretary of U.P. He was actively involved in J.P. Movement against emergency and to fight for democracy. He was jailed for one year. During 1978 to 1982 Shri Bhagat was associated with Sri Aurobindo Navnirman Prakalp in Gorakhpur (U.P.) for reconstruction of villages.

3. In the year 1983, for national integration and to ensure integrated development of remote tribal villages, Shri Bhagat established Vikas Bharti Bishunpur. During last 33 years he initiated development activities in an around 15000 villages of Jharkhand. His sincere effort contributed immensely in mainstreaming PVTGs in Gumla District. More than 20000 youth adolescents and women became self employed through vocational and skill development programmes initiated by him.

4. To assimilate Tribal people of Jharkhand, Shri Bhagat started living with the Tribal communities in Bishunpur Gumla and changed his name from Ashok Rai to Ashok Bhagat, now popularly known as Bhagatjee. During last 33 years he has done some extraordinary and astonishing work in bringing change amongst the tribal and downtrodden people. He strived hard to reduce Tribal exploitation, Zamindari System, conservation of forest resources and other burning issues related to tribal communities. He formed Dharti Raksha Wahini to promote local self Governance (Gram Swarajya) to protect natural resources land Water and Forest (Jaal, Jangal, Jameen).

5. Shri Bhagat revived the Tana Bhagat movement in Bishunpur which was all about non violence, omission of the habit of consuming raw animal flesh, alcoholic drinks and to reinstate social justice. He has built a number of statues of great tribal people of yesteryears through in-depth research and discussion with elderly tribal people so that the tribal youth can know about them and follow the path of National integrity and sanctity by remembering their ancestor's great work. To ensure Smooth and good governance in Jharkhand he has formed Gram Swarajya Munch. This forum has been rendering its services in all Districts of Jharkhand.

6. Shri Bhagat has received various honours and awards including Indira Priyadarshini Vriksha Mitra Award in 1991 at the national level for outstanding social development activities; Vivekananda Sewa Puraskar in 1992 - By Kumar Sabha Pustakalya Kolkata India; Bhau Rao Sewa Samman, for Best Social Services; Swami Rama Humanitarian Award 2008 from Himalayan Trust; Jharkhand Gaurav Puraskar in 2014 from the reputed dailies like Prabhat Khabar and Dainik Bhaskar.



# श्री अशोक भगत

श्री अशोक भगत, एक विख्यात सामाजिक कार्यकर्ता हैं। आप राष्ट्रीय प्रतिष्ठा और ख्याति से युक्त एक स्वयंसेवी सामाजिक संगठन, विकास भारती, बिशुनपुर के संस्थापक सचिव हैं।

2. आपका जन्म जुलाई 25, 1951 को हुआ। आपने अपना कॅरिअॅर सन् 1972 में उत्तर प्रदेश में एक युवा कार्यकर्ता के रूप में शुरू किया। आपने राष्ट्र के निर्माण की दृष्टि से इलाहाबाद, लखनऊ, गोरखपुर और बनारस विश्वविद्यालयों में युवा-आंदोलन आरंभ किए। उत्तर प्रदेश के राज्य संगठन सचिव के रूप में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़कर, आपने युवाओं के हितों की हिफ़ाज़त करने और उन्हें लाभान्वित करने में तथा ग्रामीण पुनर्निर्माण के क्षेत्र में अपनी सेवाएं प्रदान कीं। आप आपातकाल का विरोध करने और लोकतंत्र की रक्षा की लड़ाई के सिलसिले में जय प्रकाश नारायण आंदोलन से सक्रिय रूप से जुड़े रहे। आपको एक साल के लिए जेल में रखा गया। सन् 1978 से 1982 तक की अवधि के दौरान, आप गांवों का पुनर्निर्माण करने के लिए गोरखपुर में श्री अरविन्द नव निर्माण प्रकल्प से सम्बद्ध रहे।

3. वर्ष, 1983 में आपने राष्ट्रीय एकीकरण के लिए और दूर-दराज़ के जन जातीय गांवों में एकीकृत विकास सुनिश्चित करने के लिए विकास भारती, बिशुनपुर क़ायम की। पिछले 33 वर्षों के दौरान आपने झारखण्ड के तकरीबन 15,000 गांवों में विकास से जुड़े कार्य-कलाप शुरू किए। गुमला जिले में पी वी टी जी एस को मुख्य धारा में लाने के सिलसिले में आपके द्वारा किए गए सच्चे और पुरज़ोर प्रयास ने असीम योगदान किया। आपके द्वारा शुरू किए गए व्यावसायिक और कौशल-विकास के कार्यक्रमों के माध्यम से 20,000 से अधिक युवाओं, किशोरों और किशोरियों को अपना ही रोज़गार मिल गया।

4. झारखण्ड के जन जातीय लोगों से घुलने-मिलने और उन्हें अपने में मिला लेने के लिहाज़ से आप बिशुनपुर गुमला में जन जातीय समुदायों के साथ रहने लगे और आपने अपना नाम अशोक राय से बदलकर अशोक भगत रख लिया। अब आप भगत जी के रूप में लोकप्रिय हैं। पिछले 33 वर्षों के दौरान, आपने जन जातीय और दलित लोगों में बदलाव लाने की दिशा में कुछ असाधारण और विस्मयकारी कार्य किया है। आपने जन जातीय शोषण, ज़मींदारी प्रणाली को कम करने, वन्य संसाधनों का परिरक्षण करने तथा जन जातीय समुदायों से जुड़े अन्य ज्वलंत मुद्दों का समाधान करने की दिशा में लगातार कड़ी मेहनत की। आपने प्राकृतिक संसाधनों ज़मीन, जल और जंगल की हिफ़ाज़त करने के सिलसिले में स्थानीय स्वशासन (ग्राम स्वराज्य) को बढ़ावा देने के लिए धरती रक्षा वाहिनी बनाई।

5. आपने बिशुनपुर में तानाभगत आंदोलन को फिर से शुरू किया, जो कि पूरी तरह से, अहिंसा को अपनाने को, जानवरों का कच्चा मांस खाना छोड़ देने और शराब पीना छोड़ देने को बढ़ावा देने तथा सामाजिक न्याय को बहाल करने के बारे में था। आपने गहरी खोज और बुज़ुर्ग जन जातीय लोगों से सलाह-मशविरा करके, गुज़रे वक़्त के महान जन जातीय लोगों की कई प्रतिमाओं का निर्माण किया है, जिससे कि जन जातीय युवा उनके बारे में जान सकें और अपने पूर्वजों के महान काम को याद करके, राष्ट्रीय एकता और पवित्रता के रास्ते पर चलने को प्रेरित हो सकें। झारखण्ड में सुचारु और सुशासन सुनिश्चित करने के लिए आपने ग्राम स्वराज्य मंच बनाया है। यह मंच, झारखण्ड के सभी जिलों में अपनी सेवाएं प्रदान करता आ रहा है।

6. आपको कई सम्मानों और पुरस्कारों से विभूषित किया गया है, जिनमें, आपके द्वारा किए गए सामाजिक विकास से संबंधित उत्कृष्ट कार्य-कलापों के फलस्वरूप, सन् 1991 में राष्ट्रीय स्तर पर प्रदान किया गया इन्दिरा प्रियदर्शिनी वृक्ष मित्र पुरस्कार; सन् 1992 में कुमार सभा पुस्तकालय, कोलकाता, इण्डिया द्वारा प्रदान किया गया विवेकानन्द सेवा पुरस्कार; आपकी सर्वश्रेष्ठ सामाजिक सेवाओं के फलस्वरूप प्रदान किया गया भाऊ राव सेवा सम्मान; हिमालय ट्रस्ट द्वारा प्रदान किया गया स्वामी राम लोकोपकार पुरस्कार और प्रभात ख़बर तथा दैनिक भास्कर जैसे प्रतिष्ठित दैनिक समाचार-पत्रों से सन् 2014 में मिला झारखण्ड गौरव पुरस्कार शामिल हैं।